सामाजिक संस्था संपूर्णा
(गैर सरकारी संगठन)
संपूर्ण विकास की ओर अग्रसर

आलेख

स्वः रोजगार का उत्तम साधन– 'मास्क बनाओ, कोरोना वायरस को हराओ

–डॉ शोभा विजेंद्र
संपूर्णा संस्थापिका

सामाजिक संस्था संपूर्णा द्वारा पिछले अनेकों वर्षों से पुराने कपड़ों से थैले बनाने का काम चल रहा है। यहां तक की उससे बचने वाली कतरनों का भी सदुपयोग किया जाता है।

कोरोना वायरस के इस संकट काल में संपूर्णा द्वारा मास्क बनाने का एक विशेष अभियान चल रहा है। इसमें वे महिलाएं जो पहले घरों में झाड़ू, पौंछा लगाकर अपने परिवार का पेट पालती थी, उनको प्रेरित किया जा रहा है कि अपने घरों में बैठकर अथवा संपूर्णा संस्था के प्रांगण में आकर वे मास्क बनाएं।

जैसा की विदित ही है कि कोरोना वायरस ने आज देश में ही नहीं पूरे संसार में कोहराम मचा रखा है। देश के सभी वैज्ञानिक इसकी वैक्सीन बनाने की प्रक्रिया में दिन–रात लगे हुए हैं, किंतु अभी तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। ऐसा लगता है कि आगे आने वाले समय में मास्क जीवन में दैनिक उपयोग मैं आने वाली एक आवश्यक वस्तु बन जाएगा। अतैव संपूर्णा इस कार्य में कर्मठता से लगी हुई है।

आप प्रतिदिन मेरे द्वारा लिखे आलेखों को ना केवल पढ़ रहे हैं, बल्कि उनको पसंद भी कर रहे हैं। परन्तु मैं आपसे विनम्र अनुरोध करती हूं कि मेरे इन आलेखों में वह बातें जो सर्व कल्याणकारी हैं अथवा सर्वहितकारी हैं उनको अपने जीवन में अवश्य उतारें।

आप सबसे अनुरोध है कि हमारी सामाजिक संस्था संपूर्णा में मास्क का बनाने काम 'श्रीमती' 'शशि जैन जी' देख रही हैं। जिनका दूरभाष नंबर 98110 92751, 85951 99049 है। आप इन नंबरों पर उनसे संपर्क कर इस अभियान को घर–घर पहुंचाने का प्रयास करें।

मेरा अपनी सभी सहेलियों, संपर्क में आने वाले सभी से अनुरोध है कि वह इस महत्वपूर्ण कार्य में अपना योगदान अवश्य करें। वे चाहे तो अपने पुराने वस्त्र संपूर्णा को दान कर सकते हैं ताकि हम उनसे उपयोग में आने वाले थैले बना सके और यदि यह कपड़ा मास्क बनाने में काम आ सके तो हम उसके मास्क बनाएंगे। हमारे पास एक ऐसा भी समूह है जो हर तरह से संपन्न है, मेरा उनसे भी अनुरोध है कि संकट के इस काल में समाज सेवा के कार्य में यदि कुछ समय निकालकर संपूर्णा के इस महान यज्ञ में आहुति दे सकें तो मै जीवन पर्यंत आभारी रहूंगी।

इसी के साथ अपने पुरुष भाइयों से अनुरोध करूंगी कि वे अपने पुरानी कमीजे, पैंन्ट व अन्य ना काम आने वाले परिधानों को संपूर्णा को दान में देकर मास्क बनाने में हमारा सहयोग करें।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि दिल्ली के हर कोने में जहां पर भी संपूर्णा मास्क बनाने के काम को आगे बढ़ा रही है, हर जगह हमने इसकी कीमत 10/–रखी है और मास्क बनाने वाली बहनों की प्रत्येक मास्क बनाने की मेहनत राशि 5/– रखी है। मेरा सभी सेअनुरोध है कि आज संकट की इस घड़ी में वे बहने जो घरेलू सहायिका बनकर जीवन यापन कर रही थी, उनको सम्मान पूर्ण जीवन देना एक चुनौती है और इस चुनौती में संपूर्णा का यह छोटा सा प्रयास है कि हर बहन को काम मिले ताकि वह सम्मान पूर्ण जीवन व्यतीत कर सके।

.....